भाकृअनूप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

कोई भी कृषि कार्य करने से पहले स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार कोविड -19 दिशानिर्देशों का पालन करें

फरवरी 2021 के दूसरे पखवाड़े की रणनीतियाँ

(1) प्रतिरोपित ग्रीष्मकालीन चावल

नर्सरी

- *यदि धान की नर्सरी में थ्रिप्स का संक्रमण देखा जाता है, तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली / एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या लैम्ब्डा-साइहेलोथ्रिन 5% 200 मिली / एकड़ दर से या थियामेथोक्साम 25% डब्ल्यूजी 40 ग्राम / एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें।*

- *यदि अंकुरित पौधों में अंगमारी दिखाई दे, तो कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम / 1 लीटर पानी या प्रोपिकोनाजोल 1 मिली / 1 लिटर पानी की दर से डालें।*

फसल जो मुख्य खेत में रोपाई नहीं की गई है

- *3-4 सप्ताह वाली अंकुरित पौधों का उपयोग करके कीचड़दार मिट्टी में 15 सेमी X 15 सेमी की दूरी पर कम गहराई में 3-4 पौध प्रति पूंजा के साथ शुष्क मौसम धान की रोपाई करें।*
- *जीवाणुज अंगमारी संक्रमण वाले क्षेत्रों में, अंकुरित पौधों की जड़ों को रोपाई करने के 30 मिनट पहले 0.1% प्लांटोमाइसिन के घोल में डुबोएं।*
- *अंतिम बार कीचड़दार बनाने के दौरान डीएपी 44 किलोग्राम + एमओपी 22 किलोग्राम) या (यूरिया 22 किलोग्राम + एसएसपी 125 किलोग्राम + एमओपी 22 किलोग्राम) को आधारी मात्रा के रूप में प्रयोग करें।*

रोपाई की गई फसल के लिए

- *प्रतिरोपित ग्रीष्मकालीन चावल में, रोपाई के 5-8 दिन बाद दानेदार शाकनाशी बेंसल्फुरॉन मिथाइल + प्रीटिलाक्लोर (लोंडाक्स) पावर/इरेज़ स्ट्रॉन्ग) 4 किग्रा/ एकड़ दर से प्रयोग करें। दानेदार शाकनाशी को 4 किलोग्राम रेत / एकड़ के साथ मिलाएं और इसे खेत में समान रूप से छिटककर प्रयोग करें या रोपाई करने के 3-5 दिनों बाद पाइराजोसल्फ्यूरन इथाइल 10 डब्ल्यूपी (साथी) 80 ग्राम / एकड़ दर से 140 लीटर पानी में छिड़काव करें या रोपाई करने के 10-15 दिनों बाद बाइस्पिरीबैक सोडियम (नोमिनीगोल्ड) 120 मिली / एकड़ की दर से छिड़काव करें या खरपतवारों की 2-3 पत्ती निकलने की अवस्था में 140 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*
- *खेत में पीला तना छेदक या पत्ता मोड़क की निगरानी के लिए 3 फीरोमोन जाल प्रति एकड़ बिठाएं। जब पीला तना छेदक के नर कीट 4 या 5 प्रति जाल हो जाएं, तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली/एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या छिटकावा पद्धति से दानेदार कीटनाशक क्लोरानट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा / एकड़ प्रयोग करें या कारटाप हाइड्रोक्लोराइड*

4 जी 10 किग्रा/ एकड़ की दर से रेत में मिलाकर 1:1 अनुपात में या 200 लीटर पानी में क्लोरानट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली / एकड़ दर से का छिड़काव करें।

- *यदि फसल में बकाने रोग देखी जाती है, तो कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 1 ग्राम प्रति लीटर पानी दर से छिड़काव करें और 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।*

पहले से खड़ी प्रतिरोपित चावल फसल

- *रोपाई के 20-25 दिन बाद दौजी निकलने की अवस्था में आधारी खुराक के रूप में प्रति एकड़ 35 किलोग्राम यूरिया का टॉप ड्रेसिंग करें।*
- *यदि पूर्व-आविर्भाव शाकनाशियों का प्रयोग नहीं किया गया है, रोपाई के 15-20 दिनों बाद चौड़े पत्ते वाले खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए आविर्भाव-पश्चात शाकनाशी पेनोक्सुलम 1.02% + साइहालोफोप बुटाइल 5.1%* (विवाया) 800 *मिली/एकड़ दर पर प्रयोग करें या रोपाई के 20-25 दिन बाद हाथों से निराई करें।*
- *पीला तना छेदक कीटों की निगरानी लगातार की जानी चाहिए। जब पीला तना छेदक के नर कीट 4 या 5 प्रति जाल हो जाएं, तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली/एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या क्लोरानट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा / एकड़ प्रयोग करें या कारटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/ एकड़ की दर से रेत में मिलाकर 1:1 अनुपात में या 200 लीटर पानी में क्लोरानट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली / एकड़ दर से का छिड़काव करें।*

2.2 आर्द्र सीधी बुआई चावल

- *उचित फसल स्थापना और रोपाई के शुरुआती विकास के लिए पानी की एक पतली स्तर खेत में बनाए रखें।*
- *यदि पूर्व-आविर्भाव शाकनाशियों का प्रयोग नहीं किया गया है, तो बुआई के 10-12 दिन बाद खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए बाइस्पिरीबैक-सोडियम (नोमिनीगोल्ड) 120 मिली/एकड़ दर से या खरपतवारों के 2-3 पत्ती अवस्था में पानी में मिलाकर छिड़काव करें या बुआई के 15-20 दिन बाद पेनोक्सुलम 1.02%* + *साइहालोफोप बुटाइल 5.1%* (विवाया) 800 *मिली/एकड़ दर पर 140 लीटर पानी में मिलाकर प्रयोग करें।*
- *दौजी निकलने की अवस्था में आधारी खुराक के रूप में प्रति एकड़ 26 किलोग्राम यूरिया का टॉप ड्रेसिंग करें।*
- *पीला तना छेदक कीटों की निगरानी लगातार की जानी चाहिए। जब पीला तना छेदक के नर कीट 4 या 5 प्रति जाल हो जाएं, तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली/एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या क्लोरानट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा / एकड़ रेत में मिलाकर 1:1 अनुपात में प्रयोग करें या 200 लीटर पानी में क्लोरानट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली / एकड़ दर से का छिड़काव करें।*
- *प्रध्वंस संक्रमण के मामले में, नियंत्रण हेतु कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 2 ग्राम प्रति लीटर दर से छिड़काव करें या ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% +टेबूकोनाजोल 50% 0.4 ग्राम प्रति लीटर दर से*

छिड़काव करें या इडिफेनफोस 50 ईसी 200 मिली प्रति एकड़ दर से 200लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।